योजना | देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है: प्रो. कुहाड़

स्कूली शिक्षा पर देना होगा ध्यान

- आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा होगी शुरू

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में बीएड व एमएड के विद्यार्थियों को बदलते समय की मांग के अनुसार आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा जल्द ही शुरू करने जा रहा है।

विवि को इसके लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के लिए अनुदान की स्वीकृति मिल चुकी है। विवि इस मिशन के अन्तर्गत बीएड व एमएड के विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा। कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने कहा कि देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है। यदि शिक्षक प्रशिक्षित होगा और आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो वह कक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसे विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए जरूरी है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। सरकार की ओर से शुरू पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना इस दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस प्रयास से हमारे विश्वविद्यालय को जुड़ने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रमुख व एसोसिएट प्रो. डा. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय को मिले इस अवसर के माध्यम से हम हर साल बीएड व एमएड में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्री सर्विस व प्रोफेशनल ट्रेनिंग मुहैया करायेंगे। डा. सारिका ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास हेतु हमें करीब 5 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना 2-2 करोड़ रुपये की राशि आगामी सत्र से चार सालों तक उपलब्ध होगी। डा. सारिका ने बताया कि विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। इन स्कूलों में बीएड के लिए अनिवार्य 6 माह की ट्रेनिंग और एमएड के लिए निर्धारित एक माह की ट्रेनिंग प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। डा. सारिका ने बताया कि आगामी सत्र से हम इस मिशन के माध्यम से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

भावी शिक्षकों को पेशेवर प्रशिक्षण देगा हकेंवि

नारनौल, 3 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में बीएड व एमएड के विद्यार्थियों को अब आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय को इसके लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के तहत अनुदान मंजूर हुआ है। विवि इस मिशन के अन्तर्गत बीएड व एमएड विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा। कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ का कहना है कि शिक्षक प्रशिक्षित होगा, आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो विद्यार्थियों के लिए अध्यापक व मार्गदर्शक दोनों की भूमिका निभा सकेगा।

शिक्षा विभाग प्रमुख व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि हर साल बीएड व एमएड विद्यार्थियों को प्री सर्विस व प्रोफेशनल ट्रेनिंग मुहैया करायेंगे। प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास हेतु करीब 5 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना 2-2 करोड़ रुपये की राशि आगामी सत्र से 4 सालों तक मिलेगी। डॉ. सारिका ने बताया कि उन्होंने प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। आगामी सत्र से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

दैनिक ट्रिब्यून

भविष्य | पं.मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फार टीचर्स एंड टीचिंग योजना

शिक्षकों को पेशेवर प्रशिक्षण देगा हकेंविवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ में बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड) व मास्टर्स ऑफ एजुकेशन (एमएड) के विद्यार्थियों को बदलते समय की मांग को देखते हुए अब आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय को इस काम के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के लिए अनुदान मंजूर हुआ है। विश्वविद्यालय इस मिशन के अन्तर्गत बीएड व एमएड के विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा।

कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ का कहना है कि देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है। यदि शिक्षक प्रशिक्षित होगा और आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो वह कक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसे विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए जरूरी है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। सरकार की ओर से शुरू पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना इस दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस प्रयास से हमारे विश्वविद्यालय को जुड़ने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रमुख व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय को मिले इस अवसर के माध्यम से हम हर साल बीएड व एमएड में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्री सर्विस व प्रोफेशनल ट्रेनिंग मुहैया करायेंगे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय ● जागरण

संसाधनों के विकास से लेकर प्रशिक्षण, सेमिनार व संगोष्ठियों के लिए मिलेगा अनुदान

डॉ. सारिका ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास के लिए हमें करीब पांच करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना दो-दो करोड़ रुपये की राशि आगामी सत्र से चार सालों तक उपलब्ध होगी। डॉ.सारिका ने बताया कि हमने विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। इन स्कूलों में बीएड के लिए अनिवार्य छह माह की ट्रेनिंग और एमएड के लिए निर्धारित एक माह की ट्रेनिंग प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। डॉ. सारिका ने बताया कि आगामी सत्र से हम इस मिशन के माध्यम से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अन्तर्गत मिली मंजूरी

भावी शिक्षकों को प्रशिक्षण देगा हकेंवि

▪ संसाधनों के विकास से लेकर प्रशिक्षण, सेमिनार व संगोष्ठियों के लिए मिलेगा अनुदान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड) व मास्टर्स ऑफ एजुकेशन (एमएड) के विद्यार्थियों को बदलते समय की मांग को देखते हुए अब आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय को इस काम के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के लिए अनुदान मंजूर हुआ है।

विश्वविद्यालय इस मिशन के अन्तर्गत बीएड व एमएड के विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है। यदि शिक्षक प्रशिक्षित होगा और आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो वह कक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा सकेगा। इस बारे में डॉ. सारिका ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास के लिए हमें करीब पांच करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना दो-दो करोड़ रुपये की राशि आगामी सत्र से चार सालों तक उपलब्ध होगी। डॉ. सारिका ने बताया कि हमने विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। इन स्कूलों में बीएड के लिए अनिवार्य छह माह की ट्रेनिंग और एमएड के लिए निर्धारित एक माह की ट्रेनिंग प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। डॉ. सारिका ने बताया कि आगामी सत्र से हम इस मिशन के माध्यम से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

महेंद्रगढ़. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली

कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत : कुलपति

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसे विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए जरूरी है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। सरकार की ओर से शुरू पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना इस दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस प्रयास से हमारे विश्वविद्यालय को जुड़ने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रमुख व एसोसिएट प्रो. डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय को मिले इस अवसर के माध्यम से हम हर साल बीएड व एमएड में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्री सर्विस व प्रोफेशनल ट्रेनिंग मुहैया कराएंगे।

भावी शिक्षकों को पेशेवर प्रशिक्षण देगा हकेंविवि

पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

महेंद्रगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बैचलर ऑफ एज्युकेशन (बीएड) एवं मास्टर्स ऑफ एज्युकेशन (एम.एड) के विद्यार्थियों को बदलते समय की मांग को देखते, अब आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय को इस काम के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के लिए अनुदान मंजूर हुआ है। विश्वविद्यालय इस मिशन के अंतर्गत बी.एड व एम.एड के विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा।

कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है। यदि शिक्षक प्रशिक्षित होगा और आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो वह कक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है और इसे विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए जरूरी है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। सरकार की ओर से शुरू पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फोर टीचर्स एंड टीचिंग योजना इस दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है।

पहले वर्ष 5 करोड़ मिलेगा अनुदान

विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रमुख व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास हेतु हमें करीब पांच करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना दो-दो करोड़ रुपये की राशि आगामी सत्र से चार सालों तक उपलब्ध होगी। डॉ. सारिका ने बताया कि हमने विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। इन स्कूलों में बी.एड के लिए अनिवार्य छह माह की ट्रेनिंग और एम.एड के लिए निर्धारित एक माह की ट्रेनिंग प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। आगामी सत्र से हम इस मिशन के माध्यम से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

भावी शिक्षकों को पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करेगा ह.कें.वि.

महेंद्रगढ़, 3 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) व मास्टर्स ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) के विद्यार्थियों को बदलते समय की मांग को देखते हुए अब आधुनिक पेशेवर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध होगी। विश्वविद्यालय को इस काम के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के लिए अनुदान मंजूर हुआ है।

विश्वविद्यालय इस मिशन के अन्तर्गत बी.एड. व एम.एड. के विद्यार्थियों को प्री-सर्विस ट्रेनिंग और प्रोफैशनल ट्रेनिंग प्रदान करेगा। प्रोफैसर आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि देश के भविष्य का निर्माण पूरी तरह से शिक्षकों पर निर्भर करता है। यदि शिक्षक प्रशिक्षित होगा और आधुनिक शिक्षा के विभिन्न रूपों को जानता समझता होगा तो वह कक्षा में विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका भी निभा सकेगा।

प्रो. कुहाड़ भारत एक युवा देश है और इसे विकासशील से विकसित देश बनाने के लिए जरूरी है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था मजबूत हो। सरकार की ओर से शुरू पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना इस दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस प्रयास से हमारे विश्वविद्यालय को जुड़ने का अवसर मिला है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय का फाइल फोटो। (मोहन)

विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की प्रमुख व एसोसिएट प्रोफैसर डा. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय को मिले इस अवसर के माध्यम से हम हर साल बी.एड. व एम.एड. में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को प्री सर्विस व प्रोफैशनल ट्रेनिंग मुहैया करवाएंगे। डा. सारिका ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए संसाधनों के विकास हेतु हमें करीब 5 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान मिलेगा और इसके साथ-साथ सालाना 2-2 करोड़ की राशि आगामी सत्र से 4 सालों तक उपलब्ध होगी। डा. सारिका ने बताया कि हमने विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए 21 स्कूलों को अपने साथ जोड़ा है। इन स्कूलों में बी.एड. के लिए अनिवार्य 6 माह की ट्रेनिंग और एम.एड. के लिए निर्धारित एक माह की ट्रेनिंग प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। डा. सारिका ने बताया कि आगामी सत्र से हम इस मिशन के माध्यम से भावी शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 04 January 2017
epaper.punjabkesari.in//c/15847160